भारत सरकार
अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 590
बुधवार, 23 जुलाई, 2025 को उत्तर देने के लिए

नाविक

590. डॉ. सी. एम. रमेश:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि 20,000 ट्रेनों को नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन (नाविक) के साथ वास्तविक समय में ट्रैकिंग के लिए लक्षित किया गया है और यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह भी सच है कि अब तक 9,000 ट्रेनें नाविक से सुसज्जित हैं और नाविक के साथ ट्रैक की जा सकती हैं;

(ग) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या यह सच है कि सात उपग्रहों को कक्षा में स्थापित किया गया है, लेकिन उनमें से कुछ काम नहीं कर रहे हैं;

(ङ) यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और

(च) भारतीय क्षेत्रीय नेविगेशन उपग्रह प्रणाली एनवीएस-03, एनवीएस-04 और एनवीएस-05 को कक्षा में कब तक स्थापित किया जाएगा?

उत्तर
कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय
तथा प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री
(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

****

(क) जी हां। नाविक और अन्य जीएनएसएस उपग्रह समूहों का उपयोग करके लगभग 12000 ट्रेनों को वास्तविक समय में ट्रैक करने का लक्ष्य रखा गया है।

(ख) और (ग)

जी हां। यह भी सच है कि लगभग 8700 ट्रेनों को नाविक और अन्य जीएनएसएस उपकरणों से सुसज्जित कर दिया गया है।

(घ) और (ङ)

अब तक 11 उपग्रहों को कक्षा में स्थापित किया जा चुका है। उनमें से कुछ काम नहीं कर रहे हैं। वर्तमान में 4 उपग्रह स्थिति, नेविगेशन और समय निर्धारण (पीएनटी) सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं, 4 उपग्रहों का उपयोग एकतरफ़ा संदेश प्रसारण के लिए किया जा रहा है, 1 उपग्रह को सेवा अवधि की समाप्ति के बाद निष्क्रिय कर दिया गया है। 2 उपग्रह निर्धारित कक्षा में नहीं पहुँच पाए।

(च) एनवीएस-03 को 2025 के अंत तक प्रमोचित करने की योजना है। इसके बाद, छह महीने के अंतराल में, एनवीएस-04 और एनवीएस-05 को प्रमोचित करने की योजना है।

****